श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

(हरियाणा सरकार, एक्ट संख्या 25, 2016 के तहत, भारत का पहला राजकीय कौशल विश्वविद्यालय, हरियाणा सरकार द्वारा स्थापित)

सातवां संस्करण

www.svsu.ac.in | www.facebook.com/svsu | www.twitter.com/svsu | October-December 2022

कौशल संवाद

श्री राज नेहरू
कुलपति
श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

कुलगुरु, डॉ. राज नेहरू की कलम से...

उपलब्धियां हमें हमेशा प्रोत्साहित करती हैं।

शनै-शनै उपलब्धियों का क्रम सफलता के शिखर की ओर ले जाता है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय निरंतर इसी विकास यात्रा पर अग्रसर है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के 'कौशल संवाद' का सातवां संस्करण इन्हीं उपलब्धियों से अलंकृत और परिपूर्ण है। 'कौशल संवाद' के इस अंक में अक्टूबर से दिसम्बर की तिमाही को सचित्र संजोया गया है। उपलब्धियों का यह है क्रम 'कौशल संवाद' के रूप में आपके हाथों में सौंपते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है।

इस अंक में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को मिले गुड गवर्नेंस अवार्ड का उल्लेख प्रमुखता से है। साथ ही इस अंक के माध्यम से आपको श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी का जुड़ाव विशेष तौर पर दिखाई देगा। डाइकी एक्सिस इंडिया लिमिटेड के साथ हुए समझौता ज्ञापन समारोह में स्वयं मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री श्री मूलचंद शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर की उपस्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण रही। माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित ओवरसीज प्लेसमेंट सेल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का विवरण भी कौशल संवाद को सुसज्जित कर रहा है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा अनुभव को मान्यता देकर औपचारिक शिक्षा की डिग्रियां प्रदान करने के क्रांतिकारी कदम रिकॉग्निशन आफ प्रायर लर्निंग (RPL) के शुभारंभ का गौरवपूर्ण समाचार इस अंक के मुकुट में मणि सरीखा है।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आर. एस. राठौड़ को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा गठित समिति में शामिल करने का समाचार गौरवान्वित कर रहा है। इसी दौरान स्वयं मुझे भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शॉर्ट टर्म स्किल कोर्स को बढ़ावा देने के लिए गठित विशेषज्ञ समिति में शामिल किया गया है। यह सीधे तौर पर तकनीकी और कौशल शिक्षा के प्रारूप के निर्धारण में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की भूमिका को इंगित करता है। विश्वविद्यालय में स्थापित स्किल इन्नोवेटर्स फाउंडेशन द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शुरू किए गए 'दक्ष' प्रोग्राम का उल्लेख करता हुआ समाचार इस अंक को सार्थक बनाता है । श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में इस अवधि के दौरान राष्ट्रीय किसान दिवस और भूमि दिवस के अतिरिक्त विश्व एड्स दिवस पर जागरूक करने का कार्यक्रम किया गया। इस अंक में इन सबके अतिरिक्त एनएसएस की गतिविधियों को भी संजोया गया है। 'कौशल संवाद' के इस अंक में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के समस्त आयामों की गौरव यात्रा का उल्लेख है। 'कौशल संवाद' के अंक के सफल संपादन के लिए पूरी टीम को हार्दिक शुभकामनाएं।

Science behind Tradition

Bells in Temples : People ring the temple bell on entering as the sound of it is said to clear our mind and help us stay sharp, keeping our full concentration on devotion. Moreover, these bells are made in such a way that the sound they produce creates unity in the left and right parts of our brains. The duration of the bell echo is ideal to activate all the seven healing centres in our body, clearing us of negativity.

कुलसचिव, प्रोफेसर आर. एस. राठौड़ की कलम से...

'कौशल संवाद' का अंक हमेशा गौरवान्वित करता है। इसे श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का त्रैमासिक प्रगति प्रतिवेदन कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। साथ ही विश्वविद्यालय की हर गतिविधि को उसकी प्रासंगिकता के साथ संजोना कौशल संवाद को और अधिक सार्थक बनाता है।

कौशल संवाद' का यह सातवां अंक अपने भीतर एक विलक्षण वैशिष्ट्य को समाहित किए हुए है। 'कौशल संवाद' के इस अंक का अवलोकन करने पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की उत्कृष्टता स्पष्ट झलकती है। अक्टूबर से दिसंबर तक की इस तिमाही में विश्वविद्यालय ने ऊँची उड़ान भरी है। साफ झलकता है कि यह सब परिवार के रूप में समर्पण और परिश्रम की परिणति है। कौशल संवाद की टीम ने पूरी मेहनत के साथ इन तीन महीनों की उपलब्धियों को चित्रों सहित बहुत अच्छे ढंग से संजोया है। इसके पन्ने पलटने से एक बार फिर यह उपलब्धियां रोमांचित करती है। इन सभी उपलब्धियों को कौशल संवाद के रूप में देखकर कल्पनाओं की जमीन पर नए संकल्पों और स्वप्नों का अंकुरण भी होता है, ताकि भविष्य में हम इससे भी बड़ी इबारत लिख सकें। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय निरंतर नए कीर्तिमान रच रहा है। 'कौशल संवाद' उनका सुंदर प्रस्तुतीकरण है। इन उपलब्धियों में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाले विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को साधुवाद। 'कौशल संवाद' के इस सातवें अंक को आप को हस्तांतरित करते हुए अत्यंत हर्षित हूं और 'कौशल संवाद' की टीम को इस सफल संस्करण के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

अकादमिक अधिष्ठात्री, प्रो. ज्योति राणा की कलम से...

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय प्रगति का पर्याय बन गया है और 'कौशल संवाद' उसका स्पष्ट बिम्ब है। 'कौशल संवाद' के सातवें अंक को निहारते हुए बीती तिमाही की उपलब्धियों का सिलसिला मस्तिष्क के पटल पर चलचित्र के मानिंद प्रतीत होता है। इस अवधि के दौरान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने न केवल अकादमिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं, बल्कि देश में तकनीकी और कौशल शिक्षा के नीति निर्धारण में भी विश्वविद्यालय के शीर्ष नेतृत्व को महत्वपूर्ण दायित्व मिला है। अंतरराष्ट्रीय फलक पर भी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने महत्वाकांक्षी आयामों को छुआ है। इस तिमाही में हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने विश्वविद्यालय को विशेष तौर पर उत्साहित किया है। सुशासन दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय के लिए गुड गवर्नेंस अवार्ड प्राप्त करते हुए पूरी टीम ने गौरवपूर्ण पलों को हमेशा के लिए अपनी स्मृतियों में संजोया है। 'कौशल संवाद' के इस सातवें संस्करण पर दृष्टिपात करते हुए यह सारी उपलब्धियां और विकास यात्रा एक बार फिर से जेहन में ताजा होती हैं। इन उपलब्धियों के लिए पूरा विश्वविद्यालय परिवार बधाई का पात्र है। यकीनन श्री विश्वकर्मा कौशल भविष्य मे प्रगति के नए प्रतिमान छुएगा। 'कौशल संवाद' के सातवें संस्करण को सुसज्जित करने वाली पूरी संपादकीय टीम को विशेष बधाई।

ओवरसीज प्लेसमेंट सेल श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का एक सराहनीय प्रयास : माननीय मुख्यमंत्री

हरियाणा के युवाओं को विदेशों में नौकरी के अवसर मुहैया करवाने के लिए भारत के प्रथम कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में ओवरसीज प्लेसमेंट सेल बनाया है, जिसका उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा, श्री मनोहर लाल जी द्वारा किया गयाद्य माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणवी युवाओं की वैश्विक गतिशीलता के लिए विभिन्न अवसरों का पता लगाया। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा पहचाना गया एक ऐसा अवसर कतर में हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में जॉब रोल-रूम अटेंडेंट के लिए है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा हरियाणा कौशल रोजगार निगम के सहयोग से विदेशी प्लेसमेंट के लिए एक पंजीकरण पोर्टल विकसित किया गया है जो एक वेब-आधारित एकीकृत कार्य प्रवाह प्रणाली है, जो प्रक्रियाओं के लिए एकल मंच प्रदान करके नौकरी चाहने वालों की मदद करेगी।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया की विश्वविद्यालय का विदेशी प्लेसमेंट सेल भारतीय

युवाओं के लिए विदेशों में रोजगार के विभिन्न अवसरों के लिए विभिन्न संगठनों से जुड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है एवं विभिन्न संगठनों के साथ नेटवर्क बनाने एवं नौकरी भूमिकाओं की पहचान करने के लिए निरंतर प्रयास भी किये जा रहे है विश्वविद्यालय विभिन्न अपस्किलिंग पाठ्यक्रमों को डिजाइन करेगा ताकि उम्मीदवार खुद को अपस्किल कर सकें और इन विदेशों में उपलब्ध रोजगार के इन अवसरों में प्लेसमेंट के लिए चयनित हो सकें।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को गुड गवर्नेंस अवार्ड का 'रिवार्ड'

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को एकीकृत दोहरी शिक्षा मॉडल श्रेणी में गुड गवर्नेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने सुशासन दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू को सम्मानित किया और उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के गवर्नेंस और कुलपति श्री राज नेहरू की कार्यशैली और विजन की सराहना की। कुलसचिव प्रो. आरएस राठौड़, डीन एकेडमिक प्रो. ज्योति राणा, प्रो. सुरेश कुमार, प्रो. निर्मल सिंह, प्रो. रंजीत सिंह व प्रो. आशीष श्रीवास्तव उनके साथ अवार्ड लेने पहुंचे और सभी को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए.

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने यह अवार्ड प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के उस विजन को समर्पित किया, जिसके अंतर्गत देश में पहला कौशल विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया। श्री नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने नवाचार से दोहरे शिक्षा मॉडल को तैयार किया है। यह पूरी तरह से अनोखी प्रणाली है, जिसमें पढ़ाई के साथ-साथ न केवल कमाई की जा सकती है, बल्कि

नौकरी के साथ-साथ पढ़ाई भी की जा सकती है। ऑन द जॉब ट्रेनिंग की अवधारणा पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। इंडस्ट्री इंटीग्रेशन विश्वविद्यालय के लिए सफलता के मंत्र की तरह है। यह गुड गवर्नेंस की ही परिणति है। इतना ही नहीं यूनिवर्सिटी ने केजी से लेकर पीजी तक अनोखा मॉडल तैयार किया है, जिसमें इनोवेटिव फीडर स्कूल के माध्यम से स्किल कोर्सेज करवाए जा रहे हैं। श्री राज नेहरू ने बताया कि देश के 72 नामचीन इंडस्ट्रीज के साथ विश्वविद्यालय का समन्वय है, जिनमें विद्यार्थी अपने कोर्स के दौरान ट्रेनिंग भी करते हैं।

विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की नयी तकनीक सीखने का मौका मिलेगा : श्री मनोहर लाल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने डाइकी एक्सिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल शामिल रहे। इस दौरान कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री माननीय श्री मूल चंद शर्मा, केन्द्रीय राज्य मंत्री विद्युत् मंत्रालय और केन्द्रीय राज्य मंत्री भारी उद्योग मंत्रालय श्री कृष्ण पाल गुर्जर, डाइकी एक्सिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और प्रबंध कार्यकारी अधिकारी शिन्या ताकओंका शामिल रहे।

हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने एमओयू के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय एवं डाइकी एक्सिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को बधाई देते हुए कहा की, इस समझौते से भविष्य में विश्वविद्यालय को बहुत लाभ होगा। विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की नयी तकनीक सीखने को मौका मिलेगा, जिससे विद्यार्थी अपने कौशल को एक नया रूप दे सकेंगे।

कार्यक्रम के दौरान श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया की इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य कौशल विकास और अपशिष्ट जल प्रबंधन (जोहकासौ प्रौद्योगिकी) में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए एसवीएसयू और डाइकी एक्सिस के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देना और इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग की रूपरेखा स्थापित करना है।

शिक्षा क्षेत्र में नया अध्याय शुरू – श्री राज नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नया अध्याय शुरू हो रहा है। रिकिग्नेशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) प्रोग्राम के तहत अब इंडस्ट्री में काम कर रहे अनुभवी कर्मियों को डिग्री कोर्स करवाए जाएंगे। वे एफआईए में आयोजित समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर जेबीएम ग्रुप के 15 कर्मियों का बी. वॉक कोर्स में पंजीकरण करके शुरुआत की गई। श्री राज नेहरू ने कहा कि इस प्रोग्राम से उद्योग और शिक्षा जगत में एक नया रिश्ता जुड़ेगा।

इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पहुंचे हरियाणा के उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण ने इसे शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इसकी सफलता के बाद देश भर में इंडस्ट्री में काम कर रहे कर्मियों में डिग्री और डिप्लोमा करने की होड़ लगेगी। बेरोजगार युवाओं को कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम मिल कर स्किल सेंटर चलाएंगे।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने फरीदाबाद इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के स्किल सेंटर को कौशल विश्वविद्यालय द्वारा संचालित करने की घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब अनुभव पर आधारित शिक्षा और योग्यता का दौर शुरू होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने देश में यह पहल की है।

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में लागू होगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का आरपीएल प्रोग्राम

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का रिकॉग्निशन आफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) प्रोग्राम अब प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में लागू होगा। आरपीएल के अंतर्गत इंडस्ट्री में काम कर रहे अनुभवी कर्मियों को नौकरी के साथ-साथ डिग्री कोर्स करवाए जाएंगे। हरियाणा के उच्चतर शिक्षा विभाग ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को सभी अन्य यूनिवर्सिटी में आरपीएल लागू करने का जिम्मा सौंपा है। इस संबंध में उच्चतर शिक्षा विभाग ने नीति जारी कर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने के निर्देश दिए हैं। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि इंडस्ट्री और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए आरपीएल समय की मांग है। हरियाणा के सभी विश्वविद्यालयों में आरपीएल शुरू करने के लिए हमने पूरा खाका तैयार कर लिया है। कंसल्टेंसी सर्विस से लेकर आरपीएल का प्रारूप बनाने और उसे लागू करने के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय एमओयू करने वाले सभी विश्वविद्यालयों की सहायता करेगा। आईटी इंटीग्रेशन, एफिलेशन और अन्य सभी तरह के काम में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय दूसरी सभी यूनिवर्सिटी का सहयोग करेगा। इस अभियान द्वारा अकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) से जोड़ कर कुशल कर्मियों के करियर को बहुआयामी गतिशीलता प्रदान की जाएगी। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया कि ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन, हरियाणा उच्चतर शिक्षा परिषद् और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के आरपीएल प्रोग्राम को पसंद किया है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू को यूजीसी ने दी बड़ी जिम्मेदारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नई शिक्षा नीति के अंतर्गत शार्ट टर्म स्किल डेवलपमेंट कोर्स को बढ़ावा देने के लिए आयोग ने एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया है। इस छह सदस्यीय कमेटी में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू को प्रमुखता से दायित्व दिया गया है। श्री राज नेहरू देश की पहली स्किल यूनिवर्सिटी के संस्थापक कुलपति हैं और श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय स्किल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। शॉर्ट टर्म स्किल डेवलपमेंट कोर्स की गाइडलाइन बनाने में श्री राज नेहरू की अहम भूमिका होगी। यह शॉर्ट टर्म कोर्स तीन से छह महीने की अवधि के होंगे। यह कोर्स नेशनल स्किल क्वालीफिकेशन फ्रेम वर्क के अनुसार होंगे। सभी कोर्स अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित होंगे और पारंपरिक शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षा के बीच की खाई खत्म करने में बड़ा योगदान देंगे। इन कोर्स की यह गाइड लाइन देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए होगी। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि इन कोर्स की गाइडलाइन इस तरीके से तैयार की जाएगी ताकि आने वाले समय में कोर्स करने वाले विद्यार्थी इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा कर सकें। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि इन शॉर्ट टर्म स्किल डेवलपमेंट कोर्स का एक उद्देश्य युवाओं को स्वावलंबी बनाना भी है। इन कोर्स के बाद युवा स्किल्ड होकर इंट्रप्रिन्योर भी बन सकते हैं।

देश की तकनीकी शिक्षा में योगदान देंगे कुलसचिव प्रो. आर. एस. राठौड़

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर रणधीर सिंह राठौड़ को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा गठित कमेटी में शामिल किया गया है। यह कमेटी देशभर में नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क और मल्टीपल एंट्री एंड मल्टीपल एग्जिट गाइडलाइंस को लागू करने की दिशा में काम करेगी। राष्ट्रीय स्तर पर गठित इस समिति में देश भर से कुल 5 सदस्य बनाए गए हैं। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के अनुभवों को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मा कुलसचिव प्रोफेसर आर. एस राठौड़ को दिया है। इस उपलब्धि के लिए श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कुलसचिव प्रोफेसर आर. एस. राठौड़ को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रोफेसर आर. एस. राठौड़ ने कहा कि अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है और इसी कड़ी में इस कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि यह कमेटी अप्रूवल प्रोसेस हैंडबुक (APH) 2023-24 तैयार करेगी। इसमें तकनीकी शिक्षा क्षेत्र के लिए कौशल घटकों को स्पष्टता से परिभाषित किया जाएगा। प्रोफेसर राठौर ने बताया कि यह कमेटी गाइडलाइंस को लागू करवाने के लिए प्रारूप भी तैयार करेगी। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से परिवर्तन हो रहा है।

भूमि को बचाना मानव जाति के लिए बड़ी चुनौती- श्री राज नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में सोमवार को विश्व मृदा दिवस मनाया गया। इस मौके पर कुलपति श्री राज नेहरू और कुलसचिव श्री आरएस राठौड़ ने 'सेव सॉइल' की अवधारणा पर आधारित स्टीकर जारी किया। कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा मृदा का संरक्षण पूरी मानव जाति के लिए बड़ी चुनौती है। मृदा की गुणवत्ता और उर्वरता निरंतर बिगड़ती जा रही है। हमें इस दिशा में गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। भारत के 29% भू-भाग पर मृदा की स्थिति खराब हो चुकी है। हमें अपनी खाद्यान्न की जरूरतों को पूरी करते वृक्ष भी मृदा संरक्षण और उसकी गुणवत्ता को ध्यान में रखना होगा। कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय तकनीक और कौशल के विकास के साथ-साथ मृदा संरक्षण के लिए कृत संकल्प है। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आर एस राठौड़ ने भूमि प्रदूषण रोकने के उपायों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि भूमि प्रदूषण को नहीं रोका गया तो भविष्य में मानव जाति के सामने खाद्यान्न का संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा कि साल 2050 तक अन्न का उत्पादन 60% तक बढ़ाने की आवश्यकता होगी, लेकिन इसी तरह से मृदा प्रदूषण फैलता रहा तो कृषि प्रधान देश के लिए यह अच्छा संकेत नहीं है।

SVSU Signed 10 MoUs this Quarter

In the academic session 2021-2022, SVSU made collaborations with industry and academic partners. These collaborations will facilitate and create a pool of qualified job-ready skilled students enrolled in the 4 skill faculties of the university. A total of 10 memorandum of understanding (MoU) were signed in the last quarter of 2022. The organisations are as below

Sr.No.	Organisations
1	Action Const.Equip (ACE)
2	Schneider Electric
3	Skill council for green jobs (SCGJ)
4	DAIKI AXIS
5	MoMAGIC Technologies Pvt. Ltd
6	DataLeads Foundation
7	FalconicX
8	SkyGear Aviation India Pvt. Ltd
9	Dzire Corporate services
10	SAVE Microfinance Pvt. Limited

2) A Multi-sectoral meet was organized by IIC –Department and industry partners were invited to share and exchange their views on the kinds of skill that are needed by industry partners. In all 42 industry partners attended the meet.

Centers of Excellence (COE)

MoU were also signed with some prestigious organisation for setting up of Centers of Excellence (COE) on the university premises in Dudhola campus, Palwal.

Skygears Aviation India will design, develop & manufacture high endurance Unmanned Arial vehicles – UAV.

Daiki Axis will install a water waste management plant and also conduct a 1-week short-term program for skilling and generating livelihood opportunities for the students.

दो दिवसीय विश्व एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय हरियाणा के मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों के द्वारा एवं हरियाणा राज्य एड्स कण्ट्रोल सोसाइटी के सहयोग से दो दिवसीय विश्व एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

लोक नृत्य पारंपरिक रूप से भारत में धर्म और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है

भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवताओं ने नृत्य का आविष्कार किया था। जिसके बाद से हिंदू कलाओं में नृत्य सबसे प्रतिष्ठित माना जाने लगा। भारतीय नृत्य में इशारों, शरीर की स्थिति और सिर की गति पर जोर दिया जाता है। जिसमें की प्राथमिक महत्व हाथों, उंगलियों और आंखों के उपयोग पर दिया जाता है। भारतीय नृत्य में इशारों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कुछ नृत्यों में 600 से अधिक हावभाव होते हैं, जिनमें से प्रत्येक का एक विशिष्ट अर्थ होता है। इशारों का अक्सर एक अर्थ होता है जो नृत्य देखने वाले दर्शकों के लिए पहचाना जाता है।

कहा जाता है लगभग 1000 ईसा पूर्व भारत में किए जाने वाले नृत्यों की उत्पत्ति वेदों की अवधि के नृत्यों और अनुष्ठानों में हुई थी। हिंदू पौराणिक कथाओं में, शिव का एक नृत्य तांडव ब्रह्मांड का निर्माण और विनाश करता है। बता दें कि भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र नामक ग्रंथ लिखा है जो कि 400 ई०पू० 100 ई० सन् के बीच के समय का माना जाता है। भारत में नृत्य नाट्य शास्त्र में विस्तृत कोड और पौराणिक कथाओं, पौराणिक कथाओं और शास्त्रीय साहित्य द्वारा निर्देशित है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के अंतर्गत चल रहे श्री विश्वकर्मा इनोवेटिव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली मेले का आयोजन किया गया। रिबन काटकर मेले का शुभारंभ, कन्सेन्ट्रिक्स इंडिया की निदेशक (सर्विस डिलीवरी), स्वाति अरोड़ा द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू की उपस्थिति में किया किया गया। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर रणधीर सिंह राठौड़ कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

'दक्ष' बनाएगा आईएएस और आईपीएस

आईएएस और आईपीएस बनने का सपना देख रहे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की कल्पनाओं को श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय साकार करेगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने बताया कि स्किल इन्नोवेटर्स फाउंडेशन सिविल सर्विसेज की तैयारियों के लिए मिशन 'दक्ष' चलाएगा। इसके अंतर्गत गुरुग्राम स्थित यूनिवर्सिटी के ट्रांजिट कैम्पस में सायंकालीन प्रशिक्षण शुरू होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री. राज नेहरू ने बताया कि प्रथम चरण में 125 विद्यार्थियों को यूपीएससी एग्जाम की तैयारी करवाई जाएगी। यह एक साल का प्रशिक्षण होगा। इन विद्यार्थियों को सिविल सर्विसेज की तैयारी के लिए दक्ष बनाने के उद्देश्य से देश के नामचीन आईएएस और आईपीएस के अलावा शिक्षा जगत के कई पुरोधाओं और पेशेवर लोगों से प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा। दक्ष के माध्यम से उनकी प्रतिभा को निखारने का काम किया जाएगा। सभी को आगे बढ़ने का अवसर मिले इसी परिकल्पना पर दक्ष तैयार किया गया है। श्री. राज नेहरू ने कहा कि श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय इस दिशा में उत्कृष्टता से काम करेगा।

एनएसएस, एसवीएसयू ने समावेशी विकास के लिए परिवर्तनकारी समाधान पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। सुश्री मधु बाला शर्मा और प्रोफेसर ऋषिपाल ने छात्रों को डॉ. शिव कुमार जंगरां के सक्रिय सहयोग से संबोधित किया। डॉ नकुल सिंह, एनएसएस समन्वयक ने संसाधन व्यक्तियों को उनके योग्य प्रवचन के लिए धन्यवाद दिया।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मैनेजमेंट स्टडीज एंड रिसर्च के स्किल फैकल्टी ने दिवाली मेला और वर्ल्ड फूड डे एवं इंटरनेशनल शेफ डे का आयोजन किया। विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे पोस्टर प्रतियोगिता, रिसर्च वर्ड प्ले, कुकिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने एक अनोखी पहल की है। जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए स्टेशनरी का सामान खरीदने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में डोनेशन इकत्र किया। कुलसचिव प्रोफेसर आर. एस. राठौड़ ने धन इकट्ठा कर रहे विद्यार्थियों की पीठ थपथपाई।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर स्वच्छ भारत थीम पर एनएसएस शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 120 स्वयंसेवकों ने भाग कुलपति श्री राज नेहरू ने स्वयंसेवकों को शिविरों से होने वाले लाभ के बारे में प्रोत्साहित किया

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के दुधौला परिसर में राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 50 छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

दिल्ली-एनसीआर आसपास

दक्ष बनाएगा आईएएस और आईपीएस

गुरुग्राम-होडल-पलवल-मेवात आसपास

शिक्षा क्षेत्र में आज से नया अध्याय : राज नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय किसान दिवस

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ने किया दो दिवसीय विश्व एड्स दिवस जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

ओवरसीज प्लेसमेंट सैल श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का एक सराहनीय प्रयास : मुख्यमंत्री

कार्यशाला में बच्चों को किया जागरूक

स्कूल में दीपावली मेले का आयोजन

राज बने यूजीसी एक्सपर्ट कमेटी के सदस्य

दैनिक सवेरा

प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में लागू होगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का आरपीएल प्रोग्राम

तकनीकी शिक्षा में योगदान देंगे प्रो. राठौड़

विश्वकर्मा कौशल विवि. ने जीआईजेड के साथ किया समझौता

स्कूल में दीपावली मेले का आयोजन

श्री विश्वकर्मा विश्वविद्यालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर

विश्वविद्यालय में मनाया विश्व मृदा दिवस

श्री विश्वकर्मा कौशल विवि को गुड गवर्नेंस अवॉर्ड

विश्वविद्यालय के कुलपति और कुलसचिव सहित अन्य स्टाफ सम्मानित

Manohar Lal inaugurates Overseas Placement Cell

इनसाइड न्यूज

नौकरी के साथ-साथ होगी डिग्री

रोजगार से भाग्य बदलेगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय : राज नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल वि.वि ने जीआईजेड के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय को गुड गवर्नेंस अवार्ड का 'रिवार्ड'

उद्योगों के लिए वरदान साबित होगा कौशल विश्वविद्यालय : नयनपाल

युवाओं को अब विदेशों में नौकरी दिलाएगी सरकार

श्री विश्वकर्मा कौशल वि.वि ने किया दीवाली मेला का आयोजन

जागरण सिटी पलवल

जागरण सिटी गुरुग्राम

Editorial Board

Patron :
Sh. Raj Nehru
Vice-Chancellor

Editor-in-chief :
Prof. R.S. Rathore
Registrar

Advisory Committee :
Prof. Jyoti Rana
Dean Academics

Editor :
Dr. Rajesh Chauhan

Data Compilation By :
Ms. Bharti

Design By :
Mr. Vijay Sagar

सुझाव - ''कौशल संवाद'' का सातवां अंक आप सबके सामने प्रस्तुत है, हमें बड़ा हर्ष होगा, अगर आप थोड़ा-सा समय निकाल कर, ''कौशल संवाद'' को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव दें। आप अपने महत्त्वपूर्ण सुझाव Pro@svsu.ac.in पर मेल के जरिये भेज सकते है।

-डॉ. राजेश चौहान

सीखो और कमाओ : अपनी पहचान बनाओ

नोट – "कौशल संवाद" में प्रकाशित सामग्री, विज्ञापन का प्रयोग श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय से संबंधित है। किसी प्रकार का वाणिज्यिक प्रयोग नहीं है।